which is constituted with the departmental officers of appropriate status and background, keeping in view the nature of the post for which recruitment is to be made.

केन्द्रीय भण्डार से एस० टी० डी०/आई० एस० डी० कालें

1608. **श्री अजीत जोगी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान केंद्रीय भण्डारों के सरकारी टेलीफोनों से बड़ी संख्या में लम्बी अवधि की आई०एस०डी० और एस०टी०डी० कालें की गई ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है ;

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान केंद्रीय भण्डार के अधिकारियों को कौन-कौन सी अन्य सुविधायें प्रदान की गई थीं, जिनके लिए वे सामान्यतया हकदार नहीं होते ; और

(घ) केंद्रीय भण्डारों द्वारा अपनाए गए बचत उपायों का ब्यौरा क्या है ?

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती भारग्रेट आल्वा) : (क) से (घ) केंद्रीय भंडार को कोई सरकारी टेलीफोन नहीं दिया गया है । किन्तु, केंद्रीय भंडार के दिल्ली में अपने 12 आफिशल टेलीफोन कनेक्शन हैं जिनमें से तीन टेलीफोनों में एस०टी०डी० सुविधा है । केंद्रीय भंडार की दिल्ली से बाहर, मद्रास, बम्बई, हैदराबाद, बंगलोर, चण्डीगढ़ आदि स्थानों में भी शाखायें हैं तथा यह संगठन उन अन्य स्थानों में भी, जहां केंद्रीय सरकार के कार्यालय स्थित हैं अपनी शाखाओं का विस्तार करने की योजना बना रहा है । एस०टी०डी० सुविधा की अनिवार्यता इसलिए भी जरूरी है ताकि प्रबंधक न केवल ऐसे स्थानों पर तैनात अपने अधिकारियों के साथ ही बल्कि केंद्रीय भंडार से व्यापारिक संबंध रखने वाले सम्पूर्ण देश में फैली आपूर्तिकर्ता तथा उत्पादक फर्मों के साथ भी संपर्क रख सकें ।

भंडार के टेलीफोनों से उन स्थानों के लिए जो कि भंडार के कार्य क्षेत्र की परिधि में नहीं आते हैं कुछ अंतर्राष्ट्रीय एस०टी०डी० कालें की गई थीं । इन आई०एस०डी० कालों को करने पर 4470-/ रुपए की राशि खर्च हुई । ऐसी 8 (आठ) टलीफोन कालें की गई थीं जिसमें एक काल वर्ष 1989-90 में की गई थीं और शेष सात बकाया कालें वर्ष 1990-91 में । वर्ष 1989-90 की काल के लिए संबंधित अधिकारी को इसका बिल अदा करने के लिए कहा गया है । जहां तक वर्ष 1990-91 में की गई सात कालों का संबंध है, यह पता चला है कि ये फोन केंद्रीय भंडार के अधिकारियों द्वारा नहीं किए गए थे । चूंकि यह महसूस किया गया था कि इस सुविधा का शायद बाहरी व्यक्तियों द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है अतः प्रबंधक, टेलीफोन निगम लि० से समिति को लाइनों का और आगे दुरुपयोग रोकने के लिए आवश्यक उपचारी कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया । एस०टी०डी० संबंधी कालों के बिलों के भुगतान की पद्धति को कड़ा बना दिया गया है ताकि ऐसे बिलों का भुगतान केवल तभी किया जाए जबकि महा प्रबंधक यह प्रमाणित कर दें कि ये फोन कार्यालय के काम के संबंध में किए गए थे ।

पिछले तीन वर्षों के दौरान की गई एस०टी०डी० तथा आई०एस०डी० कालों के वर्षवार ब्यौरे निम्न प्रकार हैं :—

वर्ष	एस०टी०डी० कालें		आई०एस०टीडी० कालें	
	संख्या	राशि रु०	संख्या	राशि रु०
1989–90 . . .	114	4143.00	1	63.47
1990–91	145	21287.70	7	4406.00
1991–92 . . .	47	3341.80	शून्य	शून्य
(15–2–1992 तक)				

केंद्रीय भंडार के अधिकारियों को समान स्तर की सहकारी समितियों/निगमित निकायों के अधिकारियों को देय सुविधाओं के समान सुविधायें ही प्रदान की गई है, कोई अलावा विशेष सुविधा अनुमत नहीं की गई हैं । इनमें महाप्रबंधक द्वारा भुगतान किए जाने पर निजी प्रयोजनों के लिए स्टाफ कार का सीमित उपयोग शामिल है जैसी सुविधा कि सुपर बाजार के महाप्रबंधक तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा स्वायत्त निकायों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को उपलब्ध है ।

यह समिति अपने खर्चों में अत्यधिक किफायत बरत रही है तथा केंद्रीय भंडार के प्रबंधकों द्वारा सरकार द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता विषयक अनुदेशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है ।

1609 Transferred to 29th July, 1992.

Representation to Cancel Civil Services (Preliminary) 1992 Examination

1610. SHRI KAMAL MORARKA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have received any representations for cancellation of Civil Services Preliminary Examination 1992 following the leakage of question papers in Allahabad; and

(b) if so, the action taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) and (b) The UPSC received a Memorandum on 17th June, 1992 from an organisation called Joint Action Committee claiming to represent students of different universities demanding cancellation of the Civil Services (Preliminary) Examination held on 7th June, 1992 on the ground that there was a leakage of the General Studies Paper at Allahabad.

The facts of the case are that immediately after the commencement of the General Studies Paper of the Civil Services (Preliminary) Examination, 1992 held on 7.6.92 an invigilator at one of the examination centres at Allahabad was found photocopying the C&D series of the question book-let. He was arrested by the Police and the original question booklet as well as the photo-copied version was seized by them. This